



सांध्य दैनिक

उत्तरांचल दीप

सबके हाथ सच के साथ

हल्द्वानी

वर्ष 19 अंक 110 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु.

मंगलवार, 20 अक्टूबर 2026

असत्य पर सत्य की जीत ...पृ. 4 पर

News

काँनर

दशहरा पर हल्द्वानी में रूट डायवर्जन, भारी वाहनों पर रोक, पार्किंग भी तय

हल्द्वानी। दशहरा पर रामलीला मैदान जाने से पहले रास्ते का ध्यान रखें। मंगलवार को दोपहर दो बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक शहर में यातायात बदला रहेगा। बसों और छोटे वाहनों के लिए अलग रूट तय किए गए हैं, जबकि कई प्रमुख तिराहों पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी।

बसों का रूट: रामपुर रोड की बसें टोपी नगर से तीनपानी और गोला बाईपास होकर रोडवेज पहुंचेंगी। बरेली रोड की बसें तीनपानी से गोला बाईपास होकर आएंगी। कालाढूंगी रोड की बसें लामाचौड़, कठवरिया, ऊंचापुल और पनचकी होकर पहुंचेंगी। छोटे वाहनों का डायवर्जन: पर्वतीय क्षेत्रों से बरेली और रामपुर रोड जाने वाले वाहन नारोमन तिराहे से गोला बाईपास होकर निकलेंगे। कालाढूंगी रोड की ओर जाने वाले वाहन पनचकी, लालडॉट और ऊंचापुल मार्ग का इस्तेमाल करेंगे। नैनीताल रोड से शहर आने वाले वाहनों को महारानी होटल, तिकोनिया और नैनीताल बैंक तिराहे से वैकल्पिक रास्तों पर भेजा जाएगा।

यहां होगी पार्किंग: दोपहिया वाहन ओके होटल के सामने स्टेडियम वाली गली, सिंधी स्पोर्ट्स के पास और तहसील परिसर में खड़े होंगे। कालाढूंगी रोड के वाहन पर्वतीय उद्यान मंच, रामपुर रोड के एचएन इंटर कॉलेज, नैनीताल रोड के उन्डी सड़क-विकास लाइन और बरेली रोड के वाहन लक्ष्मी शिशु मंदिर व गांधी इंटर कॉलेज के पास पार्क होंगे।

इन रास्तों पर प्रतिबंध: रोडवेज स्टेशन तिराहे, कालाढूंगी तिराहे, ओके होटल तिराहे और सिटी चौक के बीच वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। भारी वाहनों पर भी कार्यक्रम समाप्ति तक रोक रहेगी। श्रद्धालुओं से पैदल या सार्वजनिक वाहनों से आने की अपील की गई है।

रावण की चलती आंखें और मुंह देंगे चुनौती, 60 फीट के दशानन का होगा दहन

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

बुराई का अंत और अच्छाई की जीत का गवाह बनने की तैयारी है हल्द्वानी का ऐतिहासिक रामलीला मैदान। इस बार दशहरे पर 60 फीट ऊंचा रावण अपने जलते पुतले से ही नहीं, बल्कि चलती आंखों और मुंह से भी लोगों का ध्यान खींचेगा। रावण के साथ कुंभकरण और मेघनाद के विशालकाय पुतले भी आग के हवाले किए जाएंगे। शहर में दशहरी महोत्सव को लेकर तैयारियां पूर्ण हो गई हैं। रामलीला मैदान में दशहरे की इस परंपरा को दिवंगत शंभू बाबा के शिष्य आगे



बढ़ा रहे हैं। उनके शिष्य वीरपाल के नेतृत्व में पुतलों की अंतिम रूप देने का काम चल रहा है। वीरपाल

के मुताबिक, इस बार पर्यावरण का विशेष ध्यान रखते हुए पुतलों को घास और कागज से तैयार किया

दशहरा

- रामलीला मैदान में सजेगा दशहरे का भव्य नजारा
- घास-कागज से बन रहे रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतले

जा रहा है। दावा है कि इनके निर्माण में प्रदूषण कम करने वाले विकल्पों को प्राथमिकता दी गई है। रावण परिवार के विशालकाय पुतलों को आकार देने में एक दर्जन से अधिक कारीगर दिन-रात पसीना बहा रहे हैं। इन कारीगरों के लिए यह काम सिर्फ रोजी-रोटी का जरिया नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम

दूर-दराज से उमड़ेंगे तमभवत

हल्द्वानी के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में होने वाले दशहरी महोत्सव को देखने के लिए शहर के साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में रामभक्त पहुंचते हैं। आयोजन समिति और प्रशासन की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अब इंतजार उस पल का है, जब 60 फीट ऊंचे दशानन के दहन के साथ मैदान जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठेगा।

की सेवा से जुड़ी आस्था भी है। दशहरे के साथ इन परिवारों की आजीविका भी जुड़ी हुई है।

मोहन भागवत के संबोधन की 10 बड़ी बातें

पश्चिम से चली आंधी से लेकर जैन-जी की तक जताई चिंता

नई दिल्ली

एजेसी



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने विजयादशमी पर जनता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पश्चिम में प्रभाव से सावधान रहने, नई पीढ़ी नशे के दुष्प्रभावों से बचने की अपील की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक डॉ. मोहन भागवत शताब्दी वर्ष श्री विजयादशमी उत्सव के लिए नागपुर पहुंचे। नागपुर में श्री विजयादशमी उत्सव की शुरुआत स्वयंसेवकों के पंच संचलन के साथ हुई। 1) मोहन भागवत ने कहा कि पश्चिम से एक आंधी चली है। इससे बचकर रहना चाहिए। दुनिया देख रही है फ्रांस और अमेरिका में क्या हो रहा है। भारत में भी ऐसे प्रयास चल रहे हैं। 2) उन्होंने पंच परिवर्तन की बात करते हुए कहा कि पंच परिवर्तन की पांचों पहलों का (समरसा, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, स्व बोध व स्वदेशी और नागरिक अनुशासन) समाज के सभी वर्गों और स्तरों में स्वागत हुआ है। 3) डॉ. भागवत ने नई पीढ़ी को लेकर

को झेलना पड़ा, हजारों मनुष्यों की जान चली गई। 7) उन्होंने समाज में अच्छा माहौल बनाने और बनाए रखने के लिए सभी को धैर्य और निमोहारी के साथ व्यवहार करना चाहिए। लोगों को सोच-समझकर काम करना चाहिए और एक-दूसरे का ध्यान रखना चाहिए। 8) इसके बाद उन्होंने कहा कि संस्कार से प्रेरित होकर, कैप्टन स्मिथ मच्छर ने हल ही में जो किया, वह स्वाभाविक था। ऐसी स्थिति में क्या करना है, इसके लिए कोई विशेष प्रशिक्षण नहीं दिया गया था। 9) उन्होंने कहा कि स्व के आत्मबोध को समाज में स्वदेशी मेलों के द्वारा जागृत करने का प्रयास करने वाले हिंदू मेल के प्रेरक और प्रवर्तक, वंग भूमि के स्वर्गांग राज नारायण बसु के जन्म का 200वां वर्ष चल रहा है। 10) इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना पूरा जीवन भारत को आजाद करने में लगा दिया। उनके संघर्ष से जो शांति बनी उसी कारण ब्रिटिश सरकार ने भारत को छोड़ने के लिए मजबूर हुए।

दशहरे पर हुड़दंगियों और अराजक तत्वों पर पुलिस का शिकंजा, एसएसपी ने सुरक्षा में चूक पर दिए सख्त निर्देश

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

दशहरे के जश्न में खलल डालने वालों को अब खैर नहीं। भीड़भाड़ में जेब काटने वालों से लेकर चैन जैकर्स और माहौल बिगाड़ने वाले अराजक तत्वों तक पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। पर्व के दौरान सुरक्षा में कोई चूक न हो, इसके लिए एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजुनाथ ठोसी ने जिले के पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी कर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने की कहा है। एसएसपी ने सभी राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों और मुख्य अग्निशमन अधिकारी को पुतला दहन स्थलों सहित संवेदनशील व भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नियमित गश्त, सदिग्ध व्यक्तिओं व वाहनों की चेकिंग और असाधारण तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने की कहा है।

भीड़ में जेबकतरों पर रहेगी नजर: बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में जेबकतरी व चैन जैकिंग की घटनाएं रोकने के लिए पुलिस को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। बीडीएस टीम से सघन चेकिंग



करने के साथ पुतला दहन स्थलों का निरीक्षण कर सुरक्षा इंतजाम परखने की कहा गया है। दशहरा कार्यक्रमों के दौरान जाम से निपटने के लिए अलग से यातायात पुलिस तैनात रहेगी। जबरन के अत्याचार अतिक्रम पुलिस बल भी लगाया जाएगा। अग्निशमन विभाग के साथ समन्वय बनाकर आग से बचाव के जहरी इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। एसएसपी ने अधिकारियों को आपसी समन्वय और सतर्कता के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आमजन से अपील की है कि दशहरा पर्व के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें। कोई सदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी थाने अथवा 112 पर सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

द्वितीय केदार मद्राहेश्वर के कपाट 16 नवंबर को शीतकाल के लिए होंगे बंद

चमोली

हमारे संवाददाता चारधाम यात्रा के समापन की प्रक्रिया के बीच द्वितीय केदार मद्राहेश्वर धाम के कपाट बंद होने की तिथि तय हो गई है। 16 नवंबर को कपाट बंद होने के बाद भगवान की चल विग्रह डोली विभिन्न अंशोकरेश्वर मंदिर, ऊज्जिमठ पहुंचेंगी।

उदरधाम जिले में स्थित द्वितीय केदार श्री मद्राहेश्वर धाम के कपाट 16 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। विजय दशमी पर्व पर आज मंगलवार 20 अक्टूबर को ओंकारेश्वर मंदिर, ऊज्जिमठ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कपाट बंद होने की तिथि निर्धारित

की गई। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 16 नवंबर को मद्राहेश्वर धाम के कपाट बंद होने के बाद भगवान की चल विग्रह डोली शीतकालीन प्रवास के लिए रवाना होगी। पहले दिन डोली का रात्रि विश्राम गींझर गांव में होगा। इसके बाद 17 नवंबर को डोली गींझर से रौंसी पहुंचेगी। 18 नवंबर को डोली रौंसी से गिरिया के लिए प्रस्थान करेगी। इसके बाद 19 नवंबर को डोली गिरिया से चलकर ओंकारेश्वर मंदिर, ऊज्जिमठ पहुंचेंगी। यहाँ भगवान मद्राहेश्वर की शीतकालीन पूजा-अर्चना संपन्न होगी। मद्राहेश्वर धाम भगवान शिव के पंचकदरों में द्वितीय केदार के रूप में प्रसिद्ध है। हर वर्ष यात्रा काल के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

श्री मां दुर्गा पूजा महोत्सवसंधि पूजा, हवन समेत कई धार्मिक अनुष्ठानों की गूंज नैनीताल

नैनीताल

हमारे संवाददाता

सर्वजनित दुर्गा पूजा कमेटी के तत्वावधान में आयोजित 70वें श्री मां दुर्गा पूजा महोत्सव के तहत सोमवार को मां नवना देवी मंदिर परिसर में नवमी के दिन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इससे पूर्व सोमवार को सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ नजर आई। महाअष्टमी व नवमी के पावन अवसर पर 108 कमल पुष्प, दुर्गा दिये तथा बेलपत्री से मां दुर्गा का अभिषेक किया गया, इसमें 108 दिवे की आरती महिसासुर मर्दिनी की 108 कमल पुष्प समेत 108 दुब्बा तथा 108 बेल पत्री अर्पित की गई। मुख्य पुजारी शुभ चक्रवर्ती के नेतृत्व में



पूजन किया गया। इसके साथ ही मां नवना देवी मंदिर में हवन यज्ञ तथा कपाट पूजन के बाद विशाल भंडार किया गया। मुख्य पुजारी शुभ चक्रवर्ती के नेतृत्व में महानवमी पूजन किया गया। हवन यज्ञ में यजमान के रूप महोत्सव उमेश मिश्रा तथा कोषाध्यक्ष राकेश कुमार तथा शिवराज सिंह नेगी, दिनेश गुरुनारी, यश शर्मा तथा दिनेश भट्ट मौजूद रहे जिसके बाद

मंदिर गेट में भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान कमेटी के महासचिव उमेश मिश्रा, उपाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह फर्नांडो, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार समेत दिनेश भट्ट, पवन कुमार शर्मा, यश शर्मा, सुरेश चौधरी, विकास वर्मा, नवीन शर्मा, तुली भट्टमदार, डोली भट्टाचार्या, कमलेश शर्मा तथा प्रमोद, भास्कर बिष्ट, शिवराज नेगी, पावती, लीला, एच.पी. जोशी, मंजू

रौतेला, सुमन साह, माया रावत, विमला कफ लटिया, लता जोशी, हेमा तिवाड़ी व मौजू बुधलाकोटी आदि मौजूद रहे।

पांच किलो फूलों से होगी भव्य पुष्प वर्षा: सर्वजनित दुर्गा पूजा कमेटी की ओर से आयोजित 70वें दुर्गा पूजा महोत्सव के डोली को लेकर सविति की ओर से भव्य तैयारी की जा रही है। कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह फर्नांडो ने बताया कि मंगलवार (आज) सुबह मां का भव्य डोला मंदिर प्रांगण से निकल कर पूरे शहर में घूमेगा। इस दौरान नौ देवी मंदिर प्रांगण के बाहर से पांच किलो फूलों से भव्य पुष्प वर्षा की जाएगी, जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं।

समस्त प्रदेशवासियों
एवं देशवासियों को

विजयादशमी

की

हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं



उत्तराखण्ड शासन

प्रिय प्रदेशवासियों,

आप सभी को विजयादशमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।

यह पर्व मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम द्वारा अधर्म पर धर्म की जीत का प्रतीक है। भगवान श्रीराम का जीवन हमें एक श्रेष्ठ समाज और महान राष्ट्र के निर्माण की प्रेरणा देता है। आपके मुख्य सेवक के रूप में जनता की सेवा ही मेरे लिए प्रभु श्रीराम की सेवा है और उत्तराखण्ड का विकास ही मेरे लिए रामकाज है।

आइए, आज के पावन अवसर पर हम संकल्प लें कि हम भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में देवभूमि उत्तराखण्ड को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाएंगे।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड



सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarakhand.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR

आस्था

विजयादशमी



वैदिक पंचांग के अनुसार, आज यानी 20 अक्टूबर को दशहरा का पर्व मनाया जा रहा है। इस पर्व की विजयदशमी भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, आश्विन माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर भगवान श्रीराम ने लंकापति रावण का वध किया था। इसलिए इस दिन दशहरा मनाया जाता है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई, झूठ पर सच और अंधकार पर प्रकाश की जीत का सबसे बड़ा प्रतीक है।

—कुश खास—

श्री राम का आपके घर वास हो, हर मुश्किल का सर्वनाश हो। सुख-समृद्धि का मिले वरदान, दशहरा पर पूरे हों सब अरमान।

विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं

आज विजय मुहूर्त दोपहर 01:59 बजे से दोपहर 02:45 बजे तक

अधर्म पर धर्म की विजय हो, आपके जीवन में नया उदय हो।
खुशियों से भर जाए आपका आंगन, मुस्कुराता रहे हमेशा आपका मन।

संख्या दिवक

उत्तरांचल दीप 4

Web: www.uttaranchaldeep.com
Email: uttaranchaldeep@gmail.com

● हल्द्वानी ● मंगलवार ● 20 अक्टूबर 2026



दशहरा पर्व: बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की जीत

हल्द्वानी

कार्यालय संवाददाता

आज देशभर में बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ दशहरा का त्योहार मनाया जा रहा है। दशहरा का पर्व स्वयं सिद्ध मुहूर्त होता है, जिसमें बिना मुहूर्त के कोई भी शुभ कार्य किया जा सकता है। आइए जानते हैं आज रावण दहन का शुभ मुहूर्त क्या है।

आज देशभर में विजयादशमी का पर्व मनाया जा रहा है। विजयादशमी जिसे दशहरा भी कहा जाता है, हिंदू पंचांग के अनुसार हर वर्ष अश्विनी माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को यह पर्व मनाया जाता है। विजयादशमी का त्योहार बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की



जीत के रूप में मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, दशहरा पर भगवान श्रीराम ने रावण का वध करके लंका पर विजय प्राप्त की थी, इसके अलावा मां दुर्गा ने महिषासुर को युद्ध में परास्त करते हुए उसका संहार किया था। इस

कारण हर वर्ष दशहरा के दिन रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले बनाकर उनका दहन किया जाता है। दशहरा दिन शरत् पूजन और शमी के पौधे की विशेष रूप से पूजा होती है। आइए जानते हैं आज के दिन रावण दहन का शुभ मुहूर्त क्या रहेगा और

इससे जुड़े उपाय।

हिंदू पंचांग के अनुसार, दशमी तिथि की शुरुआत आज 20 अक्टूबर को दोपहर 12 बजेकर 51 मिनट पर शुरू होगी, जिसका समापन 21 अक्टूबर को दोपहर 2 बजेकर 11 मिनट पर होगा। दशहरा का त्योहार बुलाई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार आज के दिन विजय मुहूर्त दोपहर 01 बजेकर 59 मिनट से लेकर दोपहर 2 बजेकर 45 मिनट तक रहेगा। इस विजय मुहूर्त में मां अपराजिता और शमी के पौधे की पूजा होगी। पंचांग के अनुसार रावण दहन हमेशा सूर्यास्त के बाद ही करने की परंपरा है। आज के दिन सूर्यास्त 5 बजेकर 47 मिनट पर होगा ऐसे में इसके बाद

ही रावण दहन कर सकते हैं।

दशहरा पर भगवान राम के दर्शन, पूजा और उनकी स्तुति करने का विशेष महत्व होता है। इस दिन भगवान राम की पूजा में गुड़ और फल अर्पित करें। इस दिन श्रीराम रक्षा स्तोत्र और राम नाम का जाप करना बहुत ही शुभ और फलदायी रहता है। इससे जीवन में सुख-समृद्धि और संपन्नता आती है। दशहरा पर शमी के पौधे की पूजा और दर्शन करने का विशेष महत्व होता है। इस दिन शमी के पेड़ की पूजा करें और उसके पास दीपक जलाएं। ऐसी मान्यता है विजयादशमी पर दीपक जलाने से कार्यों में सफलता और शत्रुओं का नाश होता है।

कह दसकंठ कवन तैं बंदर, मैं रघुबीर दूत दसकंधर...

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

लगभग 150 वर्षों से अनवरत मर्यादा पुरुषोत्तम के जीवन चरित्र का मंचन कर रही नगर की ऐतिहासिक प्राचीन श्री रामलीला संचालन समिति, हल्द्वानी के मंच पर युद्ध, भक्ति और पतिव्रत धर्म का अद्भुत संगम देखने को मिला, व्यास पुष्कर दत्त शास्त्री ने आज दिन की लीला में मुख्य आकर्षण इंदुजीत मेघनाद का वध का मंचन कराया।

मायावी और ब्रह्मसास्त्र का ज्ञान मेघनाद जब निकुंभला यज्ञ करते बैठे, तब लक्ष्मण जी वानर सेना सहित उसका यज्ञ विध्वंस कर देते हैं। इसके बाद लक्ष्मण मेघनाथ युद्ध होता है और इंदुजीत मास जाता है इस दृश्य में मेघनाद की पत्नी पतिव्रता सुलोचना का अपने पति के कटे हुए शरीर को भगवान राम से वापस लाना और फिर सती होना, हर दर्शक को आकर्षित करता है। रात्रि लीला की शुरुआत श्री बुनेश्वरी लीला मंडल वृंदावन के तत्वानाम में सेतु बंध से पहले भगवान राम द्वारा समुद्र तट पर शिवलिंग की स्थापना से दुर्द्वेगभगवान श्री राम कहते हैं कि



लिंग थापि बिधिवत करि पूजा। शिव समान प्रिय मोहि न दूजा॥ इसके बाद वीरता का प्रतीक अंगद-रावण संवाद होता है। जहाँ बालिपुत्र अंगद अलंकार पर रावण के दरबार में जमा देते हैं और कोई भी राक्षस उसे हिला नहीं पाता है।

उसके बाद मेघनाद द्वारा शक्ति बाण से लक्ष्मण जी का मूर्छित होना और कुंभकर्ण जैसे महायोद्धा का भगवान राम के हाथों वध होकर मोक्ष प्राप्त करना दिखाया गया। आज दिन की लीला में मेघनाथ का पाठ यश गुप्ता और रावण कैलाश भारती का पाठ ने किया। संचालन समिति के

वरिष्ठ सदस्य एडवोकेट विदेश गुप्ता, एन वी गुणवंत, भोलानाथ केसरवाणी, मनोज गुप्ता और राजेंद्र गुप्ता ने सभी आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। रामलीला संचालन में महेश राजा, अतुल जायसवाल, सुर्याश गुप्ता, कपिल अग्रहरि, राजेश गोयल, सुशील शर्मा, हितेश शर्मा, सविन, यश गुप्ता, सोमा देवल, राशि जैन ने सहयोग किया।

श्री रामलीला मैदान में भारत विकास परिषद शाखा हल्द्वानी, भाजपा महिला मोर्चा पर्वतीय संस्कृति कला मंच, जैन समाज, चौसेनी समाज ने सेवा दी। अतिथियों में प्रमुख उद्योगपति एवं समाजसेवी नरेश शर्मा, तरुण बंसल

एडवोकेट अक्षय अग्रवाल, एस डी एस गोनिका आर्य, विवेक सक्सेना, सुदीप अग्रवाल, प्रकाश रावत, डॉक्टर दीपक अग्रवाल, डॉक्टर पुनीत अग्रवाल, विजय अग्रवाल, ललित बास्की आदि रहे। आज व्यास पूजन मनोज जोशी, गौरव अग्रवाल, भवानी शंकर नरेश, मीनू गुप्ता, विजय अग्रवाल, डॉक्टर पुनीत गोयल, बेला तोलिया, प्रमोद तोलिया, प्रकाश रावत, दीपक बख्शी, डॉक्टर निधि गुप्ता, डॉक्टर अभिषेक मिश्रा, आर्यन बेलवाल, गिरीश केसरवाणी ने किया। मीडिया प्रभारी ललित अग्रवाल ने बताया कि कल की लीला अभूतपूर्व होगी, सुंदर आतिशबाजी का कार्यक्रम पुनः आतिशबाज के द्वारा किया जाएगा। शंभू बाबा के परिवार वाले रावण का 55 फुट लंबा पुतला बना रहे हैं जिसमें बम फटाखे लगे होंगे। रामलीला समिति ने आज दशहरा वाले दिन भीड़ भाड़ में सावधानी रखने तथा विशेष सतर्कता रखने की अपील की है, ट्रैफिक डायवर्जन को देख कर ही निकलें। महिलाएं विशेष रूप से ध्यान रखें भीड़ कम होने पर ही मैदान से बाहर जाएं, भीड़ में न घुमें।

बैंक खाते पर साइबर सेंधमारी, खाताधारक के 83,999 रुपये साफ

हल्द्वानी। बैंक खाते में जमा रकम पर साइबर जॉन ने सेंध लगा दी। पंजाब नेशनल बैंक की रेलवे बाजार शाखा के खाताधारक प्रवीण टोलिया के खाते से यूपीआई के जरिए तीन सैंधम लेनदेन में हजारों रुपये निकलने का मामला सामने आया है। रकम कटने की जानकारी मिलने पर खाताधारक ने साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई और फिर कोतवाली पहुंचकर कार्रवाई की मांग की। 10 दिन पूर्व को उनके बैंक खाते से यूपीआई के माध्यम से तीन सैंधम लेनदेन हुए। जिससे 83,999 हजार रुपये की रकम एक झटके में निकल गई। खाताधारक को आश्चर्य है कि उनके खाते से अनधिकृत तरीके से रकम निकाली गई। प्रवीण टोलिया ने चटना के दिन यानी 10 अक्टूबर को साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई इसके बाद 12 अक्टूबर को कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने और रकम वापस दिलाने की मांग की। पुलिस ने साइबर थोखाधड़ी के मामले में मुकदमा दर्ज कर जॉच शुरू कर दी है।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य खालों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
—संपादक

पूर्व प्रधान संपादक:

स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी में मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- राकेश अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स: 05946-283801

e-mail: Utaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आपूर्ति नं०: UTTAHNI 2009/32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. गुप्ता बाबू राजपूत

कुमाऊं विवि में दस दिनी शोध पद्धति पाठ्यक्रम का समापन

नैनीताल

हमारे संवाददाता

कुमाऊं विवि के समाजशास्त्र विभाग की ओर से भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के प्रायोजन में आयोजित दस दिवसीय शोध पद्धति पाठ्यक्रम का सोमवार को समापन हो गया। समापन समारोह में इतिहासकार प्रो. अजय रावत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

उन्होंने पर्यावरणीय इतिहास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रकृति और मानव समाज के संबंधों का अध्ययन करना को समझने के साथ ही वर्तमान पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान में भी मददगार है। इस दौरान पाठ्यक्रम पूरा करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। प्रो. अजय रावत ने अपने व्याख्यान में कहा कि शोधियों को पर्यावरण समेत समाज और इतिहास के अंतर्संबंधों को

समझते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन करना चाहिए। स्थानीय समाज तथा प्राकृतिक संसाधनों, पर्यावरण ज्ञान और पर्यावरण में होने वाले बदलावों का अध्ययन शोध को अधिक उपयोगी बना सकता है। उन्होंने कहा कि शोध केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि समाज की समस्याओं को समझने और उनके समाधान खोजने में भी योगदान देना चाहिए। समाजशास्त्र विभाग के प्रो. दीपक पासीवाल ने प्रतिभागियों विशेषज्ञों और आयोजन से जुड़े सदस्यों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को शोध की विभिन्न प्रक्रियाओं, आंकड़ों के विश्लेषण, शोध लेखन और अकादमिक नैतिकता की व्यावहारिक जानकारी देना था। उन्होंने उम्मीद जताई कि पाठ्यक्रम के दौरान अर्जित ज्ञान और कौशल प्रतिभागियों के आगामी शोध कार्यों में उपयोगी साबित होंगे।



घर से काम के लिए निकली विवाहिता नौ दिन से नहीं लौटी

हल्द्वानी

मुखानी थाना क्षेत्र के कुथरिया के ग्राम पानपुर से विवाहिता के लापता होने का मामला सामने आया है। घर से काम के लिए निकलने में जाने की बात कहकर निकली महिला देर शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास तलाश की, लेकिन कोई सुरांग नहीं मिला। मौबद्दल फोन भी बंद मिलने पर पति ने पुलिस से गृहार लगाई है।

मेहरा गांव और लामाचौड़ में सुरेश भट्ट ने की जनसभा, भाजपा को मजबूत करने की अपील

हल्द्वानी /कालाढूंगी

हमारे संवाददाता

कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामसभा पतापानी के मेहरा गांव में भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष सूरज उपाध्याय के आवास पर तथा लामाचौड़ क्षेत्र में प्रदेश सह-संयोजक आर्थिक प्रकोट चंदन किरौला के आवास पर राज्य स्तरीय राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य एवं अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष सुरेश भट्ट ने लोगों को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने केंद्र की रॉड मोदी सरकार और उग्रखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार की ओर से कराए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। जनसभाओं के दौरान सुरेश भट्ट ने कहा कि देश और राज्य सरकार जनकल्याण तथा



विकास को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आम जनता तक लाभ पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव 2027



पोडशोपचार, गणेश पूजन के उपरान्त दुर्गा ससती का पाठ किया गया। वहां उपस्थित लोगों में छवनी परिषद ने मुख्य अतिथि श्री अधिकारी सुशी तनु

जाट, लेखाकार अंशुका बिष्ट, अजीत कुमार, छवनी परिषद के राजेंद्र बोरा, जितेंद्र बिष्ट, आनंद बिष्ट, चंदन सिंह अधिकारी, चंदन मेहरा, श्री पाठक, मोहन सिंह रोहिला, वीरेंद्र बिष्ट समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बता दें कि यह आयोजन छवनी परिषद की सोईओ सुशी तनु जाट के नेतृत्व में किया गया। सोमवार को हवन अनुष्ठान हुआ विजयादशमी (आज) के दिन मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

जिम्मेदारी है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही। बैठक में पता पानी मे ग्राम प्रधान ममता टोरेला, हेम पाठक, हरेश कांडपाल, कपिल सती, पारम बेलवाल, नरेश जोशी, दिगंबर नेगी, रमनवीर सिंह, भूपेंद्र लटवाल, विशन नेगी हिमेश गोस्वामी, ललित आर्य, भुवन दानी, करिष्मा उपाध्याय, कल्पना उपाध्याय, शोभा गोस्वामी, सरण प्रीत धारियाल, एवं लामचौड़ में प्रताप सिद्ध, नारायण चौरिसिया, सतवंत सिंह, रवि कुरिया, चानू कुरिया, पंकज जोशी, ललित सिंह, दलीप किरौला, नारायण किरौला, दलीप किरौला, जितेंद्र मल्लाह, गिरीश बेलावाल, मंजु बिष्ट, वीरेंद्र मल्लाह, ललित किरौला, नवीन चौरिसिया और अन्य स्थानीय लोग शामिल रहे।